6787

इस प्रश्न पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए।/ **Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.**

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : **24**
No. of Pages in Booklet : **24**
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : **150**
No. of Questions in Booklet : **150**
Paper Code : **01**
SUBJECT : **HINDI-I**

ALP-23

PAPER-I

प्रश्न पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode

1002878

समय : **03 घण्टे+10 मिनट अतिरिक्त***
Time : **03 Hours+10 Minutes Extra***

अधिकतम अंक : **75**
Maximum Marks: **75**

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :–
- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के **5** मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-
- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above, are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after **five** minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।**
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिये। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. **OMR** उत्तर–पत्रक इस प्रश्न पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर–पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
7. **प्रत्येक प्रश्न के पांच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर–पत्रक पर नीले बॉल प्वॉइंट पेन से गहरा करना है।**
8. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो उत्तर–पत्रक में पांचवे (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पांच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।**
9.* **प्रश्न पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. आंसर शीट जांच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।**
10. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पांच विकल्प में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।**
11. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो, तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेज़ी रूपान्तरों में से अंग्रेज़ी रूपान्तर मान्य होगा।
12. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों–प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **BLUE BALL POINT PEN** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in OMR Answer Sheet. Candidate will themselves be responsible for filling wrong Roll Number.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question, then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving the question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
11. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature, then out of Hindi and English Version of the question, the English Version will be treated as standard.
12. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022, other law applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर–पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर–पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर–पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, **जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर–पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।**

1. वयण सगाई के सम्बन्ध में असंगत है –
(1) श्रृंगार रस की रचना में यह अलंकार अनिवार्यतः होता है।
(2) चारणी काव्य में इस छंद का प्रयोग अधिक हुआ है।
(3) वयण सगाई शब्दालंकार है।
(4) इसमें चरणों के प्रथम और अंतिम शब्द के प्रथम वर्ण प्रायः समान होते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. उत्तर आधुनिकतावादी चिन्तन में 'विचारधारा के अंत' की घोषणा करने वाले विचारक हैं –
(1) रोलां बार्थ (2) देरिदा (3) एडवर्ड सईद (4) डेनियल बेल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. "हे पुरुष सिंह, तुम भी वह शक्ति करो धारण।"
निरालाकृत 'राम की शक्तिपूजा' में यह कथन किसका है?
(1) जाम्बवंत का (2) हनुमान का (3) लक्ष्मण का (4) विभीषण का
(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. कौनसा विवरण सही नहीं है?
(1) ग्रियर्सन ने पश्चिमी हिंदी और पूर्वी हिंदी को वस्तुतः हिंदी माना है।
(2) ग्रियर्सन के अनुसार हिंदी के अंतर्गत केवल आठ बोलियाँ हैं।
(3) सुनीति कुमार चटर्जी केवल पूर्वी हिंदी को हिंदी के अंतर्गत मानते हैं।
(4) धीरेंद्र वर्मा हिंदी के अंतर्गत पाँच उपभाषाएँ मानते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. हिन्दी व्याकरण की दृष्टि से कौनसा कथन असंगत है?
(1) सामान्यतया वाक्यों में प्रयुक्त कर्ता को उद्देश्य और कर्म–क्रिया आदि को विधेय कहते हैं।
(2) वाक्य रचना की दृष्टि से हिन्दी एक संश्लेषणात्मक भाषा है।
(3) रचना की दृष्टि से हिन्दी में तीन तरह के वाक्य माने गये हैं : सरल, मिश्र एवं संयुक्त।
(4) हिन्दी में वाक्य में प्रयुक्त शब्द पद कहलाते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. इनमें हिन्दी व्याकरण की दृष्टि से कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द क्रिया विशेषण कहलाते हैं।
(2) क्रिया विशेषण और क्रिया शब्द अविकारी माने जाते हैं।
(3) हिन्दी में क्रिया के मुख्यतः दो भेद माने गये हैं – अकर्मक और सकर्मक।
(4) समुच्चय बोधक शब्द अविकारी हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. ध्वनि सिद्धांत की दृष्टि से कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) आनंदवर्धन ने रस ध्वनि, गौण ध्वनि और अलंकार ध्वनि के नाम से ध्वनि का वर्गीकरण किया है।
(2) ध्वनि सिद्धांत के आचार्यों ने रस को ध्वनि के अंतर्गत समाविष्ट कर लिया है।
(3) जहाँ रस ध्वनि के साथ अलंकार भी रहता है, वहाँ ध्वनि की मनमोहकता बढ़ जाती है।
(4) विद्वानों ने रस ध्वनि को ही श्रेष्ठ माना है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय) में समुद्रशिखर (समुदह सिखर) का उल्लेख किस रूप में आया है?

(1) पर्वत के रूप में (2) राजा के रूप में (3) दुर्ग के रूप में (4) शहर के रूप में

(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. लौंजाइनस की काव्य विषयक मान्यताओं की दृष्टि से कौनसा कथन समीचीन नहीं है?

(1) वे साहित्य का संबंध तर्क से नहीं अपितु कल्पना से मानते थे।

(2) वे कवि के अध्ययन और अभ्यास पर भी बल देते थे।

(3) उन्होंने अपने सिद्धांत में उदात्त कला की प्रेरक भावनाओं और धारणाओं का विश्लेषण किया है।

(4) वे विचार–तत्त्व और पद–विन्यास को परस्पर संबद्ध मानते थे।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. वक्रोक्ति सिद्धान्त की दृष्टि से कौनसा कथन सुसंगत नहीं है?

(1) 'वक्रोक्तिजीवितम्' कुन्तक का प्रसिद्ध ग्रन्थ है।

(2) इस सिद्धांत का प्रवर्तक आचार्य कुन्तक को माना जाता है।

(3) इसका एक भेद 'पदपूर्वार्धवक्रता' भी है, जिसमें अलंकारों का विधान है।

(4) 'प्रकरणवक्रता' इसका एक अन्य भेद है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. छप्पय छंद विषयक कौनसा कथन असंगत है?

(1) छप्पय की गणना अर्ध–सम छंदों में की जाती है। (2) इसमें प्रथम चार चरण रोला के होते हैं।

(3) अंतिम दो चरण उल्लाला के होते हैं। (4) छप्पय छंद में छः चरण होते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. इनमें से अव्ययीभाव समास का उदाहरण नहीं है –

(1) अनाचार (2) प्रतिदिन (3) एकाएक (4) भरपेट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. प्लेटो विषयक कौनसा कथन गलत है?

(1) 'ट्रैजेडी' का लेखक हमारे विवेक को जगाता है।

(2) उनके अनुसार कवि यश और कीर्ति चाहता है।

(3) वे कविता को अज्ञान से उत्पन्न मानते हैं।

(4) प्लेटो के अनुसार काव्य का सत्य वास्तविक सत्य नहीं होता।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. 'प्रत्ययवक्रता' किस वक्रता के अन्तर्गत समाहित है?

(1) वाक्यवक्रता (2) पदपरार्धवक्रता (3) वर्णविन्यासवक्रता (4) प्रकरणवक्रता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. 'तुलसी! कबंध–कैसो धाइबो बिचारु अंध!
धंध देखिअत जग, सोचु परिनाम को।'
में 'कबंध' का अर्थ है –

(1) बन्धन मुक्त शरीर (2) कठोर बन्धन

(3) सिर हीन शरीर (4) अन्धे की लाठी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. इनमें किस शब्द का संधि–विच्छेद सही नहीं है?

(1) अजंत = अच् + अंत
(2) सच्छास्त्र = सत् + शास्त्र
(3) अभिषेक = अभि + सेक
(4) परिच्छेद = परिस् + छेद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. टी. एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता–सिद्धांत से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) इलियट की निर्वैयक्तिकता का आशय है – कवि के व्यक्तिगत भावों की विशिष्टता का सामान्यीकरण।
(2) उन्होंने निर्वैयक्तिकता के दो रूप माने हैं – कुशल शिल्पी मात्र के लिए (जो प्राकृतिक होती है) और प्रौढ़ कलाकार के लिए (जो अर्जित या उपलब्ध की जाती है)।
(3) प्रौढ़ कवि अपने उत्कट और व्यक्तिगत अनुभवों के माध्यम से सामान्य सत्य को व्यक्त करने में समर्थ होता है।
(4) इनका निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत कॉलरिज की काव्य सम्बन्धी मान्यताओं के अनुकूल था।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत की दृष्टि से कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) अनुकरण भी एक सर्जन–क्रिया है।
(2) कलाकार प्रकृति की गोचर वस्तुओं का नहीं अपितु प्रकृति की सर्जना–प्रक्रिया का अनुकरण करता है।
(3) अनुकरण के संबंध में अरस्तू का मत प्लेटो के मत से भिन्न नहीं है।
(4) अरस्तू कला को प्रकृति की अनुकृति मानते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. 'रामु बिहाइ 'मरा' जपतें बिगरी सुधरी कबिकोकिलहू की।'
कवितावली के उक्त काव्यांश में 'कबिकोकिल' किसे कहा गया है?

(1) श्री वाल्मीकि जी
(2) नारदमुनि जी
(3) गोस्वामी तुलसीदास जी
(4) श्री रामानंद जी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. कुबेरनाथ राय द्वारा 'राघवः करुणोरसः' निबन्ध में वर्णित विचारों के अनुसार नये साहित्य में करुणरस की नवीनतम स्थिति किसे माना है?

(1) अवसरवादिता को
(2) मनोविनोद को
(3) परस्पर अविश्वास को
(4) निर्वासन को
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. काव्य हेतु की दृष्टि से कौनसा कथन असंगत है?

(1) भामह के अनुसार प्रतिभा काव्य का अनिवार्य हेतु है।
(2) मुख्यतः काव्य के तीन प्रमुख हेतु माने जाते हैं – प्रतिभा, व्युत्पत्ति (निपुणता) और अभ्यास।
(3) रुद्रट के अनुसार प्रतिभा के दो भेद माने गये हैं – सहजा और जन्मजात।
(4) कवि जिन उपादानों से समन्वित होकर काव्य रचना में प्रवृत्त होता है, उन्हें काव्य हेतु कहते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. कॉलरिज और उनके कल्पना सिद्धांत से संबंधित कौनसा कथन असंगत है?

(1) यदि सम्पूर्ण विश्व भगवान का प्रत्यक्षीकरण है, तो मनुष्य का जगत् भी ईश्वर का ही प्रत्यक्षीकरण है।

(2) कॉलरिज कल्पना के दो प्रमुख भेद मानते हैं – आद्य कल्पना और विशिष्ट कल्पना।

(3) विशिष्ट कल्पना (Secondary Imagination) कलाकारों में पायी जाती है, जन साधारण में नहीं।

(4) कलाकार अपनी भावना के अनुसार प्रकृति का पुनः सृजन करता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. "जीवन में संयम और आहार–व्यवहार में नियम – यही असली राज़ है उनकी गठी हुई देह और गरिमामय व्यक्तित्त्व का।"

महाभोज उपन्यास से उद्धृत उक्त कथन किसके लिए है?

(1) दा साहब के लिए
(2) दत्ता बाबू के लिए
(3) महेश शर्मा के लिए
(4) लखनसिंह के लिए
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. कफ़न कहानी के विषय में गलत कथन है –

(1) ऐसी सामाजिक व्यवस्था की कहानी है जो श्रम के प्रति आदमी में हतोत्साह पैदा करती है।

(2) कहानी में बुझ चुका अलाव पारिवारिक सद्भाव और ऊष्मा के चुक जाने की ओर इशारा करता है।

(3) कहानी में घीसू और माधव को बुधिया के मरने–जीने की चिन्ता बराबर बनी रहती है।

(4) कहानी घीसू और माधव की मारक गरीबी का चित्रण करती है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. "नर्मदा का नाम मेकलसुता भी है। मेकल अपनी बिटिया को वनाच्छादित घाटी में से किस हिफाजत से नीचे छोड़ गया है, इसे आज हमने अपनी आँखों से देखा।" सौन्दर्य की नदी नर्मदा में 'मेकल' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(1) धुआँधार के लिए
(2) विंध्याचल के लिए
(3) सतपुड़ा के लिए
(4) अमरकंटक के लिए
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. "चिर–स्थायी जीर्णावस्था ने उसके आत्मसम्मान को उदासीनता का रूप दे दिया था।"

प्रेमचंदकृत 'गोदान' उपन्यास में यह उक्ति किसके लिए प्रयुक्त हुई है?

(1) सोना के लिए
(2) धनिया के लिए
(3) होरी के लिए
(4) गोबर के लिए
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. "बरसै मघा झकोरि झकोरी।"

नागमती–वियोगखंड में उल्लिखित चित्रण किस महीने के अंतर्गत आता है?

(1) क्वार
(2) भादो
(3) सावन
(4) माघ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. क्रोचे और उनके अभिव्यंजनावाद से संबंधित कौनसा कथन असंगत है?

(1) सहज–अनुभूति को क्रोचे ने आंतरिक अभिव्यंजना माना है।

(2) उनकी दृष्टि में कला एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है।

(3) वे सहजज्ञान को संवेदनों से अलग मानते हैं।

(4) कला के उत्कृष्ट होने के लिए आवश्यक है कि विषयवस्तु उत्कृष्ट हो।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. इनमें रस विषयक कौनसा कथन असंगत है?
(1) विभाव के दो भेद किये जाते हैं – आलम्बन विभाव और उद्दीपन विभाव।
(2) विभाव, अनुभाव और व्यभिचारी भावों के संयोग से रस की निष्पत्ति होती है।
(3) जिसके हृदय में स्थायी भाव जाग्रत होता है, उसे आलम्बन कहा गया है।
(4) प्रत्येक रस का स्थायी भाव होता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. इनमें से किस शब्द में 'अक' प्रत्यय नहीं है?
(1) धावक (2) पाठक (3) सप्तक (4) लेखक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. किस विकल्प में सन्धि से निर्मित गलत शब्द है?
(1) वर्षा+ऋतु = वर्षर्तु (2) एक+एक = एकेक (3) सत्+आचार = सदाचार (4) नि+स्था = निष्ठा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. शुद्ध वाक्य है –
(1) इस पत्र में कहा है, वह कल आयेगा।
(2) सीता ने माला गूँथ ली।
(3) मैं वहाँ कई बार जा आया हूँ।
(4) इस बात का स्पष्टीकरण करने की आवश्यकता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. 'पलनु पीक, अंजनु अधर, धरे महावरु भाल।
आजु मिले, सु भली करी; भले बने हौ लाल।'
उक्त दोहे में कौन किससे कह रहा है?
(1) खण्डिता नायिका नायक से (2) नायिका दूती से
(3) मुग्धा नायिका नायक से (4) नायिका अपनी सखी से
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. रस विषयक कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) आलम्बन की चेष्टाएँ उद्दीपन के अंतर्गत परिगणित की जाती हैं।
(2) आलम्बन के अन्तःकरण में उद्दीप्त और परिपुष्ट होकर स्थायी भाव ही रस रूप में परिणत हो जाते हैं।
(3) संचारी या व्यभिचारी भाव क्षण–स्थायी होते हैं।
(4) अभिनवगुप्त के अनुसार, सामाजिकों के अन्तःकरण में वासना रूप में स्थायीभाव होते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्।'
काव्य लक्षण से संबंधित उक्त कथन किस आचार्य का है?
(1) विश्वनाथ (2) कुन्तक (3) आनन्दवर्धन (4) पंडितराज जगन्नाथ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. इनमें से किस शब्द में 'अनु' उपसर्ग है?
(1) अनुपस्थित (2) अनार्य (3) अन्वीक्षण (4) अनुचित
(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. 'दोष रहित, गुण सहित तथा यथासंभव अलंकार युक्त शब्द और अर्थ काव्य है।'
काव्य–लक्षण से संबंधित उपर्युक्त आशय वाला कथन किस आचार्य का है?
(1) पंडितराज जगन्नाथ का (2) मम्मट का (3) विश्वनाथ का (4) आनन्दवर्धन का
(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. कौनसा विकल्प असंगत है?
(1) मेवाती – उत्तरी – पूर्वी राजस्थानी
(2) मालवी – पूर्वी राजस्थानी
(3) ढूँढाड़ी – मध्य – पूर्वी राजस्थानी
(4) मारवाड़ी – पश्चिमी राजस्थानी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. 'रोज' कहानी के संबंध में सही कथन नहीं है –
(1) कहानी में स्त्री को असहाय बनाने वाले संदर्भ हैं।
(2) इस कहानी में कुंठा और घुटन का चित्रण है।
(3) घर–परिवार के दायरे से आगे व्यापक धरातल पर मानवीय मूल्यों की पक्षधरता कहानी में है।
(4) कहानी उल्लासपूर्ण वातावरण में घूमती है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. प्लेटो से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) उनके अनुसार सत्य वह है, जिससे व्यक्ति और समाज का आर्थिक स्तर सुधरे।
(2) प्लेटो प्रत्यय (idea) को ही परम सत्य मानते हैं।
(3) वे सामान्य सत्य को ही सच्चा सत्य मानते हैं।
(4) विशिष्ट सत्य को प्लेटो विश्वजननि सत्य की छायामात्र मानते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. टी.एस. इलियट के काव्य सिद्धांत से संबंधित कौनसा विकल्प असंगत है?
(1) इलियट के अनुसार परम्परा का संबंध संस्कृति से है।
(2) इलियट एकता में अनेकता को रूपायित करने के लिए परम्परा को आवश्यक मानते हैं।
(3) वे परम्परा को रूढ़ी–पालन के रूप में स्वीकार नहीं करते।
(4) अनेक युगों और कलाकृतियों के संकलित और मिश्रित प्रभाव से परम्परा का रूप–निर्माण होता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. 'म्हारा ओलगिया! घर आज्यो जी।' में मीराँ द्वारा किसे बुलाने की कामना नहीं की गयी है?
(1) प्रवासी (2) कृष्ण (3) प्रियतम (4) मित्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. "यह नहीं रहा नर–वानर का राक्षस से रण।"
निरालाकृत 'राम की शक्तिपूजा' में उपर्युक्त कथन किसका है?
(1) राम का (2) लक्ष्मण का (3) सुग्रीव का (4) विभीषण का
(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. पूर्वी हिंदी का विकास अपभ्रंश के किस रूप से माना गया है?
(1) पैशाची (2) अर्ध–मागधी (3) शौर सेनी (4) मागधी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. प्लेटो से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) प्लेटो काव्य में सरलता पर बल देते थे।
(2) उनके अनुसार काव्य धार्मिक और नैतिक होना चाहिए।
(3) वे साहित्य में ऐन्द्रिक आनन्द को प्रमुख तत्त्व मानते थे।
(4) वे साहित्य में देवताओं और राष्ट्रवीरों के अच्छे कार्यों के चित्रण की सलाह देते थे।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. अलंकार विषयक कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) जब कारण के न होने पर भी कार्य का होना वर्णित हो तब विभावना अलंकार होता है।
(2) जहाँ उपमेय पर उपमान का अभेद आरोप किया जाये, वहाँ रूपक अलंकार होता है।
(3) जहाँ उपमेय का निषेध करके उसपर उपमान का आरोप किया जाये, वहाँ अपह्नुति अलंकार होता है।
(4) जब सादृश्य के कारण उपमेय को उपमान मान लिया जाये, तो संदेह अलंकार होता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. हम तो कान्ह केलि की भूखी।
× × × × × × × ×
× × × × × × × ×
सूरदास देखि दृढ़ता गोपिन की ऊधो यह <u>व्रत</u> पायो।
कहै 'कृपानिधि हो कृपाल हो! प्रेमै पढ़न पठायो।'
में रेखांकित 'व्रत' क्या है?
(1) उद्धव का अहंकार
(2) उपवास
(3) प्रेम का पाठ
(4) गोपियों का वाग्वैदग्ध्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. आनो तुम चहुआन वर, अरु कहि इहै सन्देस।
सांस सरीरहि जो रहै प्रिय प्रथिराज नरेस।।
'पद्मावती समय' में यह कथन कौन किसके सामने कह रहा है?
(1) पद्मावती माता के सामने
(2) पद्मावती पृथ्वीराज के सामने
(3) पद्मावती तोते के सामने
(4) पद्मावती पिता के सामने
(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन के प्रमुख आधार हैं –
(1) कलावाद और परार्थवाद
(2) द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद और ऐतिहासिक भौतिकवाद
(3) पूँजीवाद और सामन्तवाद
(4) संरचनावाद और विखण्डनवाद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. 'गदल' कहानी के अनुसार, इनमें से कौनसा विकल्प सही नहीं है?
(1) चम्पा और चमेली की शादी हो चुकी थी।
(2) निहाल की दो बहनें भी थीं – चम्पा और चमेली।
(3) गदल के पति का नाम गुन्ना था और उसकी मृत्यु हो चुकी थी।
(4) निहाल गदल का इकलौता बेटा था।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. 'विपन्नता के इस अथाह सागर में सोहाग ही वह तृण था, जिसे पकड़े हुए वह सागर को पार कर रही थी।' – 'गोदान' से उद्धृत यह कथन किस के विषय में है?

(1) झुनिया (2) धनिया (3) सिलिया (4) मालती
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. 'काव्यं यशसे अर्थकृते .... उपदेशयुजे।' अर्थात् 'काव्य का प्रयोजन है – यश और धन लाभ, व्यावहारिक ज्ञान, अमंगल का विनाश, आनंद प्राप्ति और कान्तासम्मित उपदेश।'
काव्य प्रयोजन विषयक उपर्युक्त कथन किस आचार्य का है?

(1) वामन (2) विश्वनाथ (3) भामह (4) मम्मट
(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. अरस्तू के काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) त्रासदी के मूल भाव त्रास और करुणा होते हैं।
(2) वे त्रासदी के नायक के लिए पूर्णतः साधु और सदाचारी होने की बात कहते हैं।
(3) वे त्रासदी और महाकाव्य दोनों की ही श्रेष्ठता प्रतिपादित करते हैं।
(4) त्रास और करुणा के भावों को पहले उद्बुद्ध तथा बाद में इनका विरेचन कर मानव मन का परिष्कार करना त्रासदी का मुख्य उद्देश्य है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. लौंजाइनस की काव्य विषयक मान्यताओं की दृष्टि से कौनसा कथन असंगत है?

(1) अरस्तू ने काव्य–विषय को साध्य माना था, लेकिन लोंजाइनस इसे साधन मानते हैं।
(2) वे उदात्त विचारों के लिए कल्पना को आवश्यक मानते हैं।
(3) वे उदात्त के स्वरूप–विवेचन के तीन पक्ष मानते हैं।
(4) कल्पना को उन्होंने भावयित्री प्रतिभा की देन माना है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. 'पद्मावती समय' के विषय में असंगत है –

(1) पद्मावती के पिता का नाम समुद्रशिखर है।
(2) हजारी प्रसाद द्विवेदी इसे रासो में प्रक्षिप्त मानते हैं।
(3) इसमें नख शिख वर्णन है।
(4) इसमें तोता दौत्य कर्म करता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. 'भव्य ललाट की नासिका में से
बह रहा खून न जाने कबसे
लाल–लाल गरमीला रक्त टपकता'
'अंधेरे में' कविता की उक्त पंक्तियों में मुक्तिबोध किसके बारे में कहते हैं?

(1) तिलक (2) महात्मा गाँधी (3) टैगोर (4) विवेकानन्द
(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. इनमें से किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है?

(1) अनैतिकता (2) विषमता (3) निष्ठुरता (4) आधुनिकता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. किस विकल्प में क्रिया से बनी भाववाचक संज्ञा नहीं है?

(1) ममता (2) चढ़ाई (3) बहाव (4) दौड़
(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' निबन्ध में डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने नाखूनों का बढ़ना एक 'अभ्यासजन्य सहज वृत्ति माना है। लेखक द्वारा उक्त निबंध में वर्णित अन्य सहज वृत्तियों की दृष्टि से कौनसा विकल्प सही नहीं है?

(1) केशों का बढ़ना
(2) दाँत का दुबारा उठना
(3) रोंगटे खड़े होना
(4) पलकों का गिरना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. 'पूछती है – वह कौन!'
मुक्तिबोध रचित 'अँधेरे में' कविता के भाषा–प्रवाह के अनुसार उपर्युक्त प्रश्न कौन पूछता है?

(1) घर का सूनापन
(2) हृदय की धक्–धक्
(3) अज्ञात आशंका
(4) अनजान आकृति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. 'एक झिटका–सा लगा सहर्ष,
निरखने लगे लुटे–से, कौन–
गा रहा यह सुंदर संगीत?
कुतूहल रह न सका फिर मौन।'
इन पंक्तियों की त्रुटिपूर्ण व्याख्या वाला विकल्प है –

(1) श्रद्धा की मनोदशा का वर्णन
(2) शरीर में बिजली–सी दौड़ जाना
(3) विशेषण–विपर्यय
(4) आश्चर्य चकित होना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. 'खरी पातरी कान की, कौन बहाऊ बानि।'
दोहे में 'खरी पातरी कान की' का व्यंग्यार्थ है –

(1) पतले कान वाली
(2) सुन्दर कान वाली
(3) बिना विचारे शीघ्र विश्वास कर लेने वाली
(4) खरी सोने की पातड़ी पहनने वाली
(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. कौनसा विवरण सही नहीं है?

(1) विशेषण शब्द संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित करते हैं।
(2) व्यक्तिवाचक संज्ञा के साथ आनेवाला विशेषण उस संज्ञा की व्याप्ति मर्यादित नहीं करता, केवल उसका अर्थ स्पष्ट करता है।
(3) विशेष्य के साथ विशेषण का प्रयोग दो प्रकार से होता है – (1) संज्ञा के साथ (2) क्रिया के साथ
(4) सभी विशेषण शब्द विकारी हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. इलियट के काव्य सिद्धांतों के अनुकूल नहीं है?

(1) कवि के लिए अतीत की चेतना को विकसित करना आवश्यक है।
(2) व्यक्तित्व के लिए वैयक्तिकीकरण से कला विज्ञान की स्थिति में पहुँच सकती है।
(3) कलाकार की प्रगति सतत् आत्मोत्सर्ग है।
(4) कवि को परम्परा का ज्ञान होना चाहिए इससे आक्रान्त नहीं होना चाहिए।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन की दृष्टि से कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) मार्क्सवादी चिन्तक सामाजिक अर्थ–व्यवस्था को सर्वाधिक महत्त्व देते हैं।

(2) मार्क्सवाद कला और साहित्य के क्षेत्र में व्यक्तिवादी दृष्टिकोण के स्थान पर समाजवादी–यथार्थ की प्रवृत्ति का प्रतिपादन करता है।

(3) समाजवादी–यथार्थ को सर्वहारा वर्ग के संघर्ष में सहायक होना चाहिए।

(4) मार्क्सवाद में मानव विकास की अंतिम परिणति 'साधन सम्पन्न वर्गयुक्त समाज की स्थापना' माना गया है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. इनमें से किस शब्द में दो से अधिक उपसर्ग हैं?

(1) अत्याचार (2) दुराचार (3) अध्यधीन (4) दुर्व्यवहार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. इस तन का दीवा करौं, बाती मेल्यूँ जीव।
लोही सींचौ तेल ज्यूँ, कब मुख देखौं पीव।।
उपर्युक्त साखी के सन्दर्भ में उपयुक्त कथन है –

(1) नेत्र–रोग का वर्णन है। (2) उत्प्रेक्षा अलंकार है।

(3) लोही के उल्लेख में फारसी प्रभाव है। (4) जीभ में छाले पड़ने का वर्णन है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. निम्नलिखित में से क्रियाविशेषण से बनी भाववाचक संज्ञा नहीं है –

(1) दूरी (2) सामीप्य (3) नैकट्य (4) घबराहट

(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. 'घिर रहे थे घुँघराले बाल अंस अवलम्बित मुख के पास,
नील घनशावक–से सुकुमार सुधा भरने को विधु के पास।
में काव्य सौन्दर्य विषयक दोषपूर्ण टिप्पणी वाला विकल्प है –

(1) छोटे छोटे बादल (2) मुख की तुलना सुधाकर से

(3) पूर्णोपमा अलंकार (4) कंधे से नीचे तक लटकते हुए बालों का वर्णन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. किन्तु, उसी ने ला टकराया इस उत्तरगिरि के शिर से,
देव सृष्टि का ध्वंस अचानक श्वास लगा लेने फिर से।
उपर्युक्त पंक्तियों को समझने की दृष्टि से अनुपयुक्त विकल्प है –

(1) 'उसी' का अर्थ है पानी की तीव्र लहर (2) विशेषण–विपर्यय

(3) विरोधाभास अलंकार (4) मानव जाति मनु के रूप में फिर से साँस लेने लगी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. विरेचन सिद्धांत के अनुसार, भय और करुणा में सम्बन्ध बताने वाला सही विकल्प है –

(1) करुणा मूल भाव है इससे भय उत्पन्न होता है।

(2) जहाँ भय का संचार नहीं होता वहाँ करुणा अवश्य उत्पन्न होती है।

(3) करुणा तथा भय दोनों मूल भाव हैं।

(4) भय मूल भाव है जिससे करुणा उद्बुद्ध होती है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. 'आधे–अधूरे' के पात्रों के संबंध में गलत तथ्य है –

(1) बड़ी लड़की। भाव में परिस्थितियों से संघर्ष का अवसाद और उतावलापन।

(2) लड़का। चेहरे और हँसी से झलकती खास तरह की कड़वाहट।

(3) स्त्री। वेशभूषा साधारण होते हुए भी सुरुचिपूर्ण और चेहरे पर यौवन की चमक।

(4) काले सूट वाला आदमी पुरुष चार की भूमिका में। जिंदगी से अपनी लड़ाई हार चुकने की छटपटाहट लिए हुए।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. राजस्थानी भाषा का विकास किस अपभ्रंश से माना जाता है?

(1) खस (2) पैशाची (3) ब्राचड़ (4) शौर सेनी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. इनमें अलंकारों की परिभाषा से संबंधित कौनसा विकल्प सही नहीं है?

(1) जहाँ किसी वर्ण या वर्ण समूह का एकाधिक बार प्रयोग किया जाये, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है।

(2) जहाँ उपमेय में उपमान की संभावना या कल्पना कर ली जाये, वहाँ उत्प्रेक्षा अलंकार होता है।

(3) जहाँ उपमेय की उपमान से तुलना की जाये, वहाँ उपमा अलंकार होता है।

(4) जहाँ एक ही बार प्रयुक्त शब्द के एकाधिक अर्थ ग्रहण किये जाये, वहाँ यमक अलंकार होता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. 'ओस–बिंदु चुग रही हंसिनी मोती उनको जान।' पंक्ति में अलंकार है –

(1) विभावना (2) भ्रान्तिमान (3) उपमा (4) सन्देह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. इनमें अनुभाव विषयक कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) शाब्दिक अर्थ के आधार पर अनुभाव के दो रूप माने जा सकते हैं – (क) भाव के पश्चात् उत्पन्न होने वाली चेष्टाएँ और (ख) भाव का अनुभव कराने वाली चेष्टाएँ

(2) ये रसनिष्पत्ति के महत्त्वपूर्ण अंग माने गये हैं।

(3) अनुभाव का शाब्दिक अर्थ है भाव या भावों के बाद उत्पन्न होने वाला।

(4) अनुभावों का सामाजिक पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. "हमको हरि की कथा सुनाव।
अपनी ज्ञानकथा हो ऊधो! मथुरा ही लै गाव।
नागरि नारि भले बूझेंगी अपने वचन सुभाव।"
में रेखांकित 'नागरि नारि' से अभिप्रेत है –

(1) गोपियाँ (2) राधा (3) कुब्जा (4) यशोदा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. 'पाता हूँ निज को खोह के भीतर
विलुब्ध नेत्रों से देखता हूँ द्युतियाँ'
कविता की उक्त पंक्तियों में सर्वाधिक रूप से प्रकट भाव है –

(1) परस्पर सौहार्द का भाव (2) ऊर्जस्वित होने का भाव

(3) भय और कातरता का भाव (4) विश्व–बन्धुत्व का भाव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. 'गोदान' में कौनसी प्रवृत्ति नहीं है?

(1) किस्सागोई में घटनाओं के स्थान पर मनोवैज्ञानिक स्थितियों से दीप्त मानवीय व्यापार का अंकन
(2) धर्मभीरु मिल मालिक का अंकन
(3) शोषक वर्ग का चित्रण
(4) अंतर्जातीय विवाह की समस्या का अंकन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. "घनआनँद जीवनमूल सुजान की कौंधनहूँ न कहूँ दरसै।"
इस पंक्ति की उपयुक्त व्याख्या करते हुए कौन सा विकल्प त्रुटिपूर्ण है?

(1) प्रिय की झलक
(2) श्लेष अलंकार
(3) जड़ीभूत होना
(4) सगण का प्रयोग
(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. निम्नलिखित में असंगत युग्म है –

(1) काव्यालंकारसूत्रवृत्ति – दंडी
(2) काव्यालंकारसारसंग्रह – उद्भट
(3) सरस्वती कंठाभरण – भोज
(4) काव्यालंकार – रुद्रट
(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. इनमें से कौनसा कथन असंगत है?

(1) अंतःकरण की भावनाओं के अनुकूल मन में हर्ष–विषाद आदि के उद्वेलन को मानसिक अनुभाव कहते हैं।
(2) कृत्रिम वेश–भूषा आदि को कायिक अनुभाव माना गया है।
(3) भानुदत्त ने अनुभाव के चार भेद माने हैं – सात्त्विक, मानसिक, कायिक और आहार्य।
(4) आलम्बन, उद्दीपन आदि के कारण आश्रय के हृदय में उद्‌बुद्ध भावनाओं का प्रकटीकरण अनुभाव के अंतर्गत आता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. विरेचन के सम्बन्ध में सही कथन है –

(1) इससे भावात्मक परिष्कार होता है।
(2) यह त्रासदी का ही अन्यतम रूप है।
(3) मनुष्य हमेशा के लिए भावों से मुक्त हो जाता है।
(4) विरेचक राग मानव समाज को कष्ट प्रदान करते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. गलत विकल्प चुनिए –

(1) निजवाचक 'आप' पुरुषवाचक 'आप' (आदरसूचक) से भिन्न है।
(2) पुरुषवाचक 'आप' केवल मध्यम पुरुष में आता है।
(3) पुरुषवाचक (आदरसूचक) 'आप' नित्य बहुवचन में आता है।
(4) निजवाचक 'आप' का प्रयोग तीनों पुरुष में होता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. निम्नलिखित में से किस वाक्य में समुच्चयबोधक अव्यय नहीं है?

(1) सूरज निकला इसलिए अँधेरा भाग गया।
(2) राम, श्याम का मित्र है लेकिन दोनों में अनबन है।
(3) मोहन आयेगा और मैं जाऊँगा।
(4) मैं भी यह काम कर सकता हूँ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. काव्य शास्त्र के आचार्यों और उनके ग्रंथों से संबंधित कौनसा विकल्प सुमेलित नहीं है?

(1) मम्मट – काव्य प्रकाश
(2) भामह – काव्य मीमांसा
(3) विश्वनाथ – साहित्य दर्पण
(4) दंडी – काव्यादर्श
(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. 'आधे–अधूरे' के संदर्भ में असंगत वक्तव्य है –

(1) इस नाटक की अवधारणा के पीछे सूक्ष्म रंग–चेतना निहित है।
(2) इसके पात्र, स्थितियाँ एवं मनःस्थितियाँ आदर्शपरक तथा विश्वसनीय हैं।
(3) यह मौजूदा जीवन की विडंबना के कुछेक सघन बिंदुओं को रेखांकित करता है।
(4) यह नाटक एक स्तर पर स्त्री–पुरुष के बीच के लगाव और तनाव का दस्तावेज़ है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. 'महाभोज' उपन्यास के सम्बन्ध में असत्य कथन है –

(1) पिछड़ों पर सामाजिक उत्पीड़न का अंकन हुआ है।
(2) बिसेसर की हत्या जोरावर ने करायी है।
(3) राजनेताओं में जनता के प्रति ईमानदार सहानुभूति है।
(4) महाभोज का परिवेश वैयक्तिक न होकर सामाजिक है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. 'रवि हुआ अस्त : ज्योति के पत्र पर लिखा अमर
रह गया राम–रावण का अपराजेय समर'
उक्त पंक्तियों की दोषपूर्ण व्याख्या है –

(1) युद्ध में किसी की जय–पराजय नहीं हुई।
(2) युद्ध के अल्पकालिक प्रभाव का वर्णन
(3) युद्ध में राम का पक्ष निर्बल रहा।
(4) भयावह रात्रि का आरम्भ हो गया है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. 'चौपड़ि माँडी चौहटै, अरध उरध बाजार'
उपर्युक्त पंक्ति के सन्दर्भ में असंगत अर्थ है –

(1) चौपड़ पर गेरू से मांडणा मंडा हुआ है।
(2) जगत् का चौराहा है।
(3) चौराहे के ऊपर–नीचे बाजार है।
(4) जीवन रूपी चौपड़ है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. क्रोचे और उनके अभिव्यंजनावाद से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) वे सहज ज्ञान और प्रत्यक्ष ज्ञान में कोई भेद नहीं करते।
(2) वे व्यावहारिक क्रिया के भी दो उपभेद स्वीकार करते हैं – उपयोगी और नैतिक।
(3) सैद्धांतिक क्रिया के भी दो रूप माने गये हैं – स्वयं–प्रकाश ज्ञान तथा तर्क ज्ञान।
(4) वे आत्मा की दो क्रियाएँ मानते हैं – सैद्धांतिक और व्यावहारिक।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के 'श्रद्धा और भक्ति' निबंध में वर्णित विचारों की दृष्टि से कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) प्रेम में विस्तार अधिक होता है और श्रद्धा में घनत्व।
(2) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है।
(3) प्रेम का कारण बहुत कुछ अनिर्दिष्ट और अज्ञात होता है।
(4) श्रद्धा में दृष्टि पहले कर्मों पर से होती हुई श्रद्धेय तक पहुँचती है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. निम्नलिखित में किस वाक्य में संबंधसूचक अव्यय का प्रयोग नहीं हुआ है?
(1) मोहन घर तक गया है।
(2) धन के बिना किसी का काम नहीं चलता।
(3) बच्चे बहुधा हठी होते हैं।
(4) दिन भर सोना अच्छा नहीं है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. "सो, इस खड़ी पाई के कारण इसका नाम 'खड़ीबोली' बहुत ही सार्थक है।" यह मान्यता किसकी है?
(1) किशोरीदास वाजपेयी
(2) धीरेंद्र वर्मा
(3) कामताप्रसाद गुरु
(4) सुनीति कुमार चटर्जी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. निम्नलिखित में ब्रज बोली का क्षेत्र नहीं है –
(1) सहारनपुर
(2) मथुरा
(3) करौली
(4) भरतपुर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. देवनागरी लिपि के संबंध में असंगत है –
(1) वर्णों का एकाधिक उच्चारण होता है।
(2) यह अक्षरात्मक लिपि है।
(3) लिखित शब्दों के प्रत्येक वर्ण का उच्चारण अनिवार्य है।
(4) एकाधिक भाषाओं के लिए प्रयुक्त होती है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. कौनसा विकल्प सही नहीं है?
(1) मंदाक्रांता समवृत्त छंद है।
(2) द्रुतविलंबित समवृत्त छंदों का एक भेद है।
(3) मंदाक्रांता में 5, 5, 7 वर्णों पर यति होती है।
(4) नगण, दो भगण और रगण के योग से द्रुतविलंबित छंद बनता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. विखण्डनवाद के सन्दर्भ में त्रुटिपूर्ण कथन है –
(1) यह पाठ को पढ़ने की एक शैली है।
(2) इसे विरचनावाद भी कहा जाता है।
(3) यह 'टेक्स्ट' में मौजूद अर्थ को निश्चित, पक्का और पूरा मानता है।
(4) इसमें मूल पाठ के एकाधिक पाठ हो सकते हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. "अपनो स्वारथ को सब कोऊ।
चुप करि रहौ मधुप रस लंपट! तुम देखे अरु बोऊ।"
में किसे संबोधित नहीं किया गया है?
(1) ग्वाला (2) कृष्ण (3) भ्रमर (4) उद्धव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. छन्द विषयक कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) सोरठा की गणना मात्रिक छंद के अंतर्गत आती है।
(2) दोहा और सोरठा दोनों ही अर्ध–सम छन्द हैं।
(3) गीतिका के प्रत्येक चरण में 26 मात्राएँ होती हैं।
(4) सोरठा छंद के विषम चरणों में 13 तथा सम चरणों में 11 मात्राएँ होती हैं।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. 'अलंकार सिद्धांत' से संबंधित असंगत कथन है –
(1) आचार्य भामह को इस मत का संस्थापक माना जाता है।
(2) आचार्य दंडी तथा अप्पय दीक्षित भी इस सिद्धांत के अनुयायी हैं।
(3) भामह के टीकाकार आचार्य उद्भट भी अलंकार सिद्धांत के समर्थक हैं।
(4) जयदेव ने अपने ग्रन्थ 'अलंकार सर्वस्व' में अलंकारों की अनिवार्यता का समर्थन किया है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. केंद्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा प्रकाशित 'देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण' के अनुसार अमानक प्रयोग है –
(1) सर्वनाम शब्दों में ये चिह्न प्रातिपदिक के साथ मिलाकर लिखे जाने चाहिए।
(2) कारक चिह्न सभी प्रकार के संज्ञा शब्दों में प्रातिपदिक से पृथक् लिखे जाने चाहिए।
(3) सर्वनामों के साथ यदि दो कारक चिह्न हों, तो दोनों को मिलाकर लिखा जाना चाहिए।
(4) सर्वनाम और कारक – चिह्न के बीच 'ही', 'तक' आदि निपात हों, तो कारक चिह्न को पृथक् लिखा जाना चाहिए।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. "बाहुबल ही तो वीरों की आजीविका है। ये मेरे जीवन मरण के साथी हैं, भला मैं इन्हें कैसे छोड़ देता।" 'पुरस्कार' के इस वाक्य में प्रयुक्त 'ये' तथा 'इन्हें' से अभिप्रेत है –
(1) अरुण के सैनिक (2) अरुण के अस्त्र–शस्त्र
(3) कौशल के श्रमजीवी (4) कौशल के अमात्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. जायसीकृत पद्मावत महाकाव्य में वर्णित 'नागमती–वियोगखण्ड' के अंतर्गत 'बारहमासा' का प्रारंभ किस माह से माना गया है?
(1) क्वार (2) चैत्र (3) आषाढ़ (4) भादो
(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. मीराँ पदावली के 'गरब मघवा हरण।' पंक्ति में 'मघवा' का अर्थ है –
(1) राणा (2) वरुण (3) इन्द्र (4) कृष्ण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. परशुराम चतुर्वेदी ने मीराँ पदावली की काव्य–भाषा में निम्नलिखित में से किस समूह को शामिल नहीं किया है?

(1) खड़ी बोली, पूरबी (2) पंजाबी, गुजराती (3) बांगरू, बुन्देली (4) राजस्थानी, ब्रज

(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. त्रासदी की प्रमुख विशेषता नहीं है –

(1) त्रासदी में कार्य व्यापार वर्ण्य होता है अभिनेय नहीं।

(2) त्रासदी कार्यव्यापार का अनुकरण है।

(3) त्रासदी की भाषा लय, सामंजस्य, गीत आदि से समन्वित होती है।

(4) त्रासदी में सर्वाधिक महत्त्व विषय–वस्तु को दिया है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. 'महाभोज' उपन्यास के सम्बन्ध में मन्नू भण्डारी का आत्मकथ्य है –

(1) कथा साहित्य परिवेशगत रचना की अनुकूल विधा है।

(2) पारिवारिक परिस्थितियों का चित्रण उपन्यास का मूल कथ्य है।

(3) अपने व्यक्तिगत अन्तर्द्वन्द्व को देखना महत्त्वपूर्ण है।

(4) व्यंग्यात्मकता औपन्यासिक कृति की मुख्य विशेषता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. कॉलरिज और उनके कल्पना सिद्धांत से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) वे कवि के लिए दार्शनिक होना भी आवश्यक मानते हैं।

(2) कॉलरिज कवि के लिए प्रतिभा सम्पन्न होना अनिवार्य मानते हैं।

(3) वे काव्य में बुद्धि पक्ष को ही प्रधानता देते हैं।

(4) कॉलरिज काव्य नियमों के बंधनों का विरोध करते रहे हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. चार्ल्स जैन्क्स के अनुसार 'पोस्टमॉडर्निज़्म' शब्द का प्रथम प्रयोग किसने किया?

(1) डी.एच. लॉरेंस (2) जॉर्ज लुकाच (3) टी.एस. इलियट (4) आर्नल्ड टॉयन्बी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. देरिदा के चिन्तन का विरोधी कथन है –

(1) उनके अनुसार विखण्डनवाद, मार्क्सवाद का विस्थापन नहीं है।

(2) विखण्डन एक निरंतर प्रक्रिया है।

(3) वे नये संदर्भों में मार्क्सवाद की पुनर्व्याख्या चाहते थे।

(4) वे वाक् केन्द्रित सत्यों को स्वीकार करते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. 'फिरि फिरि भूँजेसि, तजिऊँ न बारू।' का व्यंग्यार्थ नहीं है –

(1) प्रेमजन्य संताप का अतिरेक (2) भाड़ में चने का भूना जाना

(3) प्रेम दशा का घोर यंत्रणामय होना (4) प्रिय के विरह ताप से चित्त का विह्वल होना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. 'अब मोहि ले चलि नणद के बीर, अपनै देसा।
इन पंचनि मिलि लूटी हूँ, कुसंग आहि बदेसा।'
यहाँ 'नणद के बीर' से व्यंजित है –
(1) कुसंगति (2) ननद का भाई (3) आत्मा का स्वामी (4) क्रोधादि पाँच शत्रु
(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. 'पचरंग चोला पहर सखी मैं झिरमिट खेलन जाती।' पंक्ति से संकेतित नहीं है –
(1) पाँच तत्त्व (2) शरीर (3) सद्गुरु (4) लुकाछिपी का खेल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. "मेरे करने से जो कुछ हो सकता था इस घर का, हो चुका आज तक। मेरी तरफ से यह अंत है उसका – निश्चित अंत!"
'आधे–अधूरे' का उक्त कथन स्त्री किस के समक्ष कह रही है?
(1) लड़का एवं पुरुष दो (2) छोटी लड़की एवं बड़ी लड़की
(3) लड़का एवं छोटी लड़की (4) लड़का एवं बड़ी लड़की
(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. इनमें से कौनसा कथन गलत है?
(1) हाड़ौती पूर्वी–मध्य राजस्थानी की बोली है।
(2) डिंगल को राजस्थान में बोली जाने वाली मारवाड़ी का साहित्यिक रूप माना गया है।
(3) मेवाड़ी दक्षिणी राजस्थानी की बोली है।
(4) भोजपुरी को बिहारी भाषा के अंतर्गत माना गया है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. इनमें से कौनसा वर्ण केन्द्रीय हिंदी निदेशालय द्वारा स्वीकृत हिन्दी की मानक–वर्णमाला में नहीं आता?
(1) ड़ (2) झ (3) ङ (4) ञ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्।'
उपर्युक्त कथन किस आचार्य का है?
(1) वामन (2) जयदेव (3) मम्मट (4) विश्वनाथ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. 'भगति भगायो लोगु' कहकर तुलसीदास ने लोगों को भक्ति से विमुख करने का क्या कारण बतलाया है?
(1) गोरखनाथ की योग साधना (2) ब्रह्मचर्यादि आश्रमों का त्याग
(3) विषयवासनाओं की प्रबल इच्छा (4) वर्ण धर्म का नाश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. 'सौंदर्य की नदी नर्मदा' के अंतर्गत 'मंडला से छिनगाँव' प्रकरण में कृषक दम्पती ने लेखक से जूते उतार कर चलने के लिए क्यों कहा?
(1) उधर उनका चौका (रसोई घर) था। (2) उधर उनके बैठने–सोने का स्थान था।
(3) वहाँ उनका पूजा स्थान था। (4) उधर उनका खलिहान था।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. इनमें ध्वनि सिद्धांत से संबंधित कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) काव्य सिद्धांत के रूप में 'ध्वनि' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 'ध्वन्यालोक' नामक ग्रंथ में मिलता है।

(2) ध्वनि सिद्धांत में शब्द शक्तियों की प्रमुख भूमिका है।

(3) अविवक्षित वाच्य ध्वनि अभिधा शब्द शक्ति पर आधारित होती है।

(4) ध्वनि काव्य के दो प्रमुख भेद किये जाते हैं – (क) अविवक्षित वाच्य ध्वनि, (ख) विवक्षितान्य पर वाच्य ध्वनि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. किस विकल्प के सभी शब्द वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं?

(1) सरोजिनी, प्रदर्शिनी, दायित्व

(2) सरोजिनी, प्रदर्शिनी, दाइत्व

(3) सरोजिनी, प्रदर्शनी, दायित्व

(4) सरोजनी, प्रदर्शनी, दाइत्व

(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. राजस्थानी के सन्दर्भ में असंगत है –

(1) ड और ड़ अर्थभेदक ध्वनियाँ हैं।

(2) ब्रज की ओर झुकी हुई राजस्थानी डिंगल कही जाती है।

(3) ष का प्रयोग राजस्थानी में प्रायः ख के लिए होता है।

(4) ल और ळ दो पृथक् ध्वनियाँ हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. उल्लाला छंद से संबंधित दोषपूर्ण कथन है –

(1) यह मात्रिक छन्द है।

(2) इस छंद का प्रयोग स्वतंत्र रूप से तथा छप्पय जैसे छंदों में भी किया जाता है।

(3) इसके सम चरणों में 13 और विषम चरणों में 15 मात्राएँ होती हैं।

(4) उल्लाला के प्रत्येक चरण में 28 मात्राएँ होती हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. मार्क्सवादी साहित्य चिन्तन की दृष्टि से कौनसा कथन असंगत है?

(1) यह सिद्धांत समाजवादी यथार्थ पर बल देता है और साहित्य को सोद्देश्य मानता है।

(2) मानवतावाद और लोकमंगल की भावना से इस साहित्य का कोई संबंध नहीं है।

(3) मार्क्सवादी आलोचक सर्वप्रथम कृति के विषय को ही अपने विश्लेषण का विषय बनाते हैं।

(4) 'कला कला के लिए' सिद्धांत का मार्क्सवादी साहित्य में महत्त्व नहीं है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. 'सौंदर्य की नदी नर्मदा' में लेखक ने ग्वारीघाट से बरमान घाट यात्रा में अतिशयोक्तिपूर्ण भाषा में 'गाकड़' को प्रकृति कहा, 'पूरी पराँठे' को विकृति कहा। उन्होंने 'रोटी' को क्या माना है?

(1) भोजनमात्र

(2) दुर्बलता

(3) संस्कृति

(4) अनुकृति

(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. हिन्दी साहित्य चिन्तन में 'उत्तर आधुनिकतावाद' शब्द कब प्रचलित हुआ?

(1) बीसवीं शताब्दी के सातवें दशक में

(2) बीसवीं शताब्दी के अंतिम दशक में

(3) बीसवीं शताब्दी के आठवें दशक में

(4) बीसवीं शताब्दी के पाँचवें दशक में

(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. 'एहि माह उपजै रसमूलू। तूँ सौ भौंर मोर जोबन फूलू।
नैन चुवहिं जस महवट नीरू। तोहि बिनु अंग लाग सर चीरू।'
जायसी कृत उपर्युक्त पंक्तियों में रेखांकित शब्दों का निहितार्थ नहीं है –

(1) घाव (2) माघ की झड़ी (3) बाण (4) सरोवर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. कुण्डलिया छन्द के सम्बन्ध में त्रुटिपूर्ण है –

(1) कुण्डलिया छन्द के प्रथम दो चरण दोहा व शेष चार चरण रोला के होते हैं।
(2) कुण्डलिया के प्रत्येक चरण में 24 मात्राएँ होती हैं।
(3) कुण्डलिया के दूसरे चरण के अन्त के शब्द तीसरे चरण के प्रारंभ में आते हैं।
(4) कुण्डलिया सम मात्रिक छन्द है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. कॉलरिज के कल्पना सिद्धांत के संदर्भ में असंगत कथन है –

(1) गौण कल्पना पुनर्रचना की खातिर (सामग्री को) बिखराती, फैलाती और पिघलाती है।
(2) मुख्य कल्पना समस्त मानवीय प्रत्यक्ष बोध की आद्य अभिकर्ता तथा जीवंत शक्ति है।
(3) मुख्य कल्पना गौण कल्पना की प्रतिध्वनि है।
(4) मुख्य कल्पना और गौण कल्पना में अंतर केवल परिमाण तथा कार्यप्रणाली के स्तर पर होता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. "मैं पाधा बन गया हूँ।"
'उसने कहा था' कहानी में उपर्युक्त कथन किसका है?

(1) वजीरा सिंह का (2) बोधा सिंह का (3) हजारा सिंह का (4) लहना सिंह का
(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. 'लाजनि लपेटि चितवनि भेद–भाय भरी।'
आ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र की व्याख्या के अनुकूल विकल्प नहीं है –

(1) यहाँ 'लपेटि' से आशय है – आवरण के रूप में लिपटना
(2) लाज से संयुक्त चितवन
(3) चितवन में लज्जा का संश्लिष्ट रहना
(4) रहस्यात्मक भावों से परिपूर्ण
(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. लौंजाइनस के काव्य शास्त्रीय सिद्धांतों से संबंधित असंगत कथन है –

(1) इसके बहिरंग तत्त्व कलागत माने गये हैं।
(2) उदात्त के अंतरंग तत्त्व जन्मजात माने गये हैं।
(3) कलागत उदात्त तत्त्वों को वे चार वर्गों में विभाजित करते हैं।
(4) अलंकार–योजना के अंतर्गत उन्हीं अलंकारों का विवेचन अपेक्षित है, जो शैली को उत्कर्ष प्रदान करें।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. साधारणीकरण से संबंधित कौनसा कथन असंगत है?

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के अनुसार, साधारणीकरण आलम्बनत्व धर्म का होता है।

(2) रस निष्पत्ति के लिए, भट्टनायक के अनुसार, साधारणीकरण आवश्यक है।

(3) अभिनव गुप्त के अनुसार साधारणीकरणके दो स्तर हैं–(क) विभावादि के साथ स्थायी भाव का साधारणीकरण, (ख) सामाजिक की अनुभूति का साधारणीकरण

(4) रस निष्पत्ति की दृष्टि से साधारणीकरण शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग अभिनव गुप्त ने किया था।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. इनमें अलंकार विषयक कौनसा कथन असंगत है?

(1) यमक और उपमा की गणना शब्दालंकारों में की जाती है।

(2) उत्प्रेक्षा की गणना अर्थालंकारों के अंतर्गत होती है।

(3) कुछ विद्वान् शब्द और अर्थ के मिलेजुले आधार को लेकर 'उभयालंकार' नाम से इसके तीसरे भेद की भी चर्चा करते हैं।

(4) अलंकारों को प्रमुख रूप से दो वर्गों में विभाजित किया जाता है – शब्दालंकार और अर्थालंकार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. 'आयो घोष बड़ो व्योपारी।' में 'घोष' का अर्थ है –

(1) व्यापारियों का समूह **(2)** घोषणा करना **(3)** अहीरों की बस्ती **(4)** मथुरा नगरी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. "किसी संरचना या पाठ की उन चीजों को उजागर करके सामने ला देना, जिन्हें दबा दिया गया था और सिद्ध कर देना कि कोई पाठ जो कुछ कहता है, वही उसका ठीक–ठाक अर्थ नहीं है। उससे अधिक कुछ और भी है, जो अनकहा छोड़ दिया गया है।" उक्त कथन किस विचारधारा से संबंधित है?

(1) मार्क्सवाद **(2)** उत्तर आधुनिकता **(3)** विखंडनवाद **(4)** अभिव्यंजनावाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. क्रोचे के अभिव्यंजनावाद से संबंधित असंगत कथन है –

(1) रूप (Form) ही सौन्दर्य का आधार है।

(2) कला, सहजानुभूति और अभिव्यंजना परस्पर पर्यायवाची हैं।

(3) कल्पना सौन्दर्य का अनिवार्य तत्त्व है।

(4) अभिव्यंजना आंतरिक प्रक्रिया है, लेकिल कला बाह्य प्रक्रिया है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. 'संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त होने वाले अंकों का रूप, भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप होगा।' भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में यह प्रावधान है?

(1) 344 (1) **(2)** 343 (1) **(3)** 346 (1) **(4)** 345 (1)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. 'सायर जलै सकल बन दाझै, मंछ अहेरा खेलै।'
उपर्युक्त पंक्ति के सन्दर्भ में असंगत अर्थ है –

(1) संसार रूपी सागर **(2)** इन्द्रिय रूपी हरिण **(3)** शरीर रूपी वन **(4)** आत्मा रूपी मत्स्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. तुलसी को भलो पै तुम्हारे ही किएँ कृपाल
कीजै न बिलंबु बलि, पानी भरी खाल है।
उक्त काव्यांश में 'पानी भरी खाल' का भावार्थ है –
(1) जीवन साधन–संपन्न है
(2) जीवन निराशापूर्ण है
(3) जीवन क्षणभंगुर है
(4) जीवन दुःखपूर्ण है
(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. 'एक अचंभा देखा रे भाई, ठाढ़ा सिंघ चरावै गाई।'
इस उलटबाँसी में 'गाई' से संकेतित है –
(1) ब्रह्म
(2) गाय
(3) इन्द्रियाँ
(4) गीत गाना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. अरस्तू के 'अनुकरण सिद्धांत' के संदर्भ में असंगत है –
(1) काव्य भी अन्य कलाओं की भाँति अनुकरणधर्मी कला है।
(2) अनुकार्य केवल वे वस्तुएँ हैं – जैसी वे थीं या हैं।
(3) कवि अनुकर्त्ता है।
(4) कवि उसका वर्णन करता है, जो घटित हो सकता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. इनमें अलंकारों से संबंधित कौनसा विकल्प गलत है?
(1) रूपक अलंकार के भेद हैं – सांगरूपक, निरंगरूपक
(2) उपमा और उत्प्रेक्षा की गणना साम्यमूलक अलंकारों में की जाती है।
(3) जब किसी व्यक्ति द्वारा एक अर्थ में कहे गये शब्द या वाक्य का कोई दूसरा व्यक्ति जानबूझकर अन्य अर्थ ग्रहण करे, वहाँ वक्रोक्ति अलंकार होता है।
(4) नील सरोरुह, नील मनि, नील नीरधर स्याम – यमक अलंकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. इनमें से कौनसा कथन सही नहीं है?
(1) प्रत्यय प्रायः किसी शब्द के अंत में जुड़ते हैं।
(2) समास का योगदान शब्द निर्माण की दृष्टि से अनुपयोगी है।
(3) शब्द निर्माण में उपसर्ग, प्रत्यय और संधि का उल्लेखनीय योगदान है।
(4) उपसर्ग का प्रयोग प्रायः शब्द के प्रारंभ में किया जाता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. लग्यो सुमनु ह्वै है सफलु आतप–रोसु निवारि।
बारी, बारी आपनी सींचि सुहृदता–बारि।।
उक्त दोहे में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों में से किस शब्द में श्लेष अलंकार नहीं है?
(1) बारी
(2) सुमनु
(3) आतप
(4) सुहृद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. ''पहचानै हरि कौन, मो से अनपहचान कों।

त्यौं पुकार मधि मौन कृपा–कान मधि नैन ज्यौं।''

इस छंद की व्याख्या के क्रम में कौनसा विकल्प अनुपयुक्त है?

(1) प्रिय कृपा की कामना

(2) दोहा

(3) वेदना की चरमावस्था

(4) फ़ारसी प्रभाव से आगत विपरीत–समास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. इनमें कौनसा कथन गलत है?

(1) ध्वनिवादी आचार्यों ने शब्द कौतुक प्रधान अलंकारों से युक्त काव्य को मध्यम काव्य के अंतर्गत माना है।

(2) मध्यम काव्य में व्यंग्यार्थ वाच्यार्थ के चमत्कार का पोषक होता है।

(3) वामन सभी अलंकारों को उपमा मूलक मानते हैं।

(4) भामह और दंडी सभी अलंकारों में अतिशयोक्ति की स्थिति अनिवार्य मानते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. 'सौन्दर्य की नदी नर्मदा' के अनुसार, ओंकारेश्वर विषयक कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) ओंकारेश्वर के इस ओर नर्मदा तथा उस ओर कावेरी नदी है।

(2) यह पहाड़ी नदी का पहाड़ी तीर्थ स्थान है।

(3) यह नर्मदा के मध्य एक टापू पर स्थित है।

(4) यहाँ नदी तट पर पेशवा का स्मारक बना हुआ है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. कौनसा कथन कुंतक के मत के विरुद्ध है?

(1) पदपूर्वार्धवक्रता को प्रकृति कहते हैं।

(2) प्रबंधवक्रता में प्रबंध के समस्त सौंदर्य का समावेश हो जाता है।

(3) वाक्यवक्रता के अंतर्गत समस्त शब्दालंकार और अर्थालंकार समाविष्ट हैं।

(4) एक, दो या अनेक वर्णों की आवृत्ति वर्णविन्यासवक्रता कहलाती है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

रफ कार्य के लिए जगह